



# aviral

Reducing Plastic Waste  
in the Ganga

## What is Aviral?

**Aviral – Reducing Plastic Waste in the Ganga** is a project implemented by the German development agency GIZ and funded by the Alliance to End Plastic Waste (Alliance) with the objective to reduce plastic waste entering the environment. The pilot project is developing approaches for sustainable and replicable plastic waste management solutions and demonstrating best practice examples through capacity enhancement activities at local level. The initiative is building on the existing flagship programs of the National Mission for Clean Ganga (Namami Gange) and the Clean India Mission (Swachh Bharat Mission).

## Why Aviral?

Aviral – the Hindi term for “continuous” – underlines the vision to establish a *circular* system for plastics and to regenerate natural habitats. The ever-increasing plastic waste and pollution threaten human health, wildlife and biodiversity across the planet. Particularly cities face the challenge of managing growing plastic waste generation and mounting landfills, often without harnessing the values and resources to their full extent. By supporting cities such as Haridwar and Rishikesh in strengthening sustainable plastic waste management practices, Aviral seeks to promote a new approach to plastics and to prevent riverine and marine litter – thus ensuring the *continuous* flow of the river Ganga.

## Facts and figures:



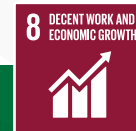
Haridwar and Rishikesh, India



12/2019 – 03/2022



SDGs



## What Aviral does:

Aviral works hand in hand with local stakeholders from Haridwar and Rishikesh Municipal Corporation while it is embedded in the broader plastic waste management ecosystem, collaborating with et al. the private sector, informal waste workers, schools and local NGOs to pilot an approach based on four key axes:



### Capacity enhancement:

Developing municipal capacities, improving the knowledge and strategic approach to plastic waste management.



### Value chain:

Infrastructure development for value chain improvement, aiming at enhancing technical resources with a specific focus on waste segregation.



### Innovation:

Piloting and fostering creative state-of-the-art solutions by local enterprises and startups.



### Engagement and awareness:

Awareness raising to change behavior towards plastic waste of local population and visitors.



### Contact

Ms. Kamna Swami  
Aviral Project Coordinator  
T. +919899456608  
E. kamna.swami@giz.de

### On behalf of:

**ALLIANCE  
TO END  
PLASTIC  
WASTE**

### Implemented by:

**giz** Deutsche Gesellschaft  
für Internationale  
Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

### In Cooperation with:





# अविरल

गंगा में प्लास्टिक अपशिष्ट  
को कम करना

## अविरल क्या है?

अविरल – गंगा में प्लास्टिक के कचरे को कम करने से जुड़ी एक परियोजना है जिसे जर्मन विकास एजेंसी GIZ द्वारा कार्यान्वित किया गया है। इस परियोजना को एलायंस टू एंड प्लास्टिक वेस्ट (Alliance) ने वित्तीय सहायता दी है। इस परियोजना का उद्देश्य पर्यावरण में प्रवेश करने वाले प्लास्टिक कचरे को कम करना है। पायलट प्रोजेक्ट सतत और अनुकरणीय प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन समाधान के लिए दृष्टिकोण विकसित कर रहा है। साथ ही यह परियोजना स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माण वृद्धि जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से बेहतरीन उपाय भी पेश कर रही है। यह पहल, मौजूदा राष्ट्रीय प्रमुख कार्यक्रमों – जैसे नमामि गंगे और स्वच्छ भारत मिशन पर आधारित है।

## अविरल क्यों?

अविरल – को “निरंतर” भी कहा जाता है – यह प्लास्टिक के लिए एक चक्रीय प्रणाली स्थापित करने और प्राकृतिक आवासों को पुनर्जीवित करने के लिए दृष्टिकोण पेश करता है। तेजी से बढ़ रहे प्लास्टिक कचरे और प्रदूषण से पूरी पृथ्वी पर मानव स्वास्थ्य, वन्यजीव और जैव विविधता के लिए खतरा पैदा हो गया है। विशेष रूप से शहरों में बढ़ते प्लास्टिक कचरे के उत्पादन और बढ़ते कूड़े के ढेर के प्रबंधन की चुनौती का सामना करना पड़ता है, यहाँ अक्सर मूल्यों और संसाधनों का पूरी तरह से उपयोग न होने से यह समस्या उत्पन्न हुई है। अविरल परियोजना, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन से जुड़े नियमों को हरिद्वार और ऋणिकेश जैसे शहरों में कार्यान्वयन कर प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन समाधान के लिए एक नई सोच को बढ़ावा देने और नदी और जलीय कूड़े को रोकने के लिए प्रयास कर रहा है। इस प्रकार यह गंगा नदी के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करना चाहता है।

## तथ्य एवं आंकड़े:



हरिद्वार और ऋणिकेश, भारत



12/2019 – 03/2022



सतत विकास लक्ष्य



## अविरल क्या करता है

बहुस्तरीय दृष्टिकोण का पालन करते हुए, अविरल व्यापक प्लास्टिक कचरा प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ा है, जो नगर निगम, निजी क्षेत्र, अनौपचारिक कचरा श्रमिकों, स्कूलों और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह पायलट प्रोजेक्ट चार घटकों पर आधारित है:



### क्षमता वृद्धि:

नगर निगम की क्षमताओं का विकास, जानकारी में वृद्धि और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण को मजबूत करना।



### मूल्य श्रृंखला:

संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के साथ बुनियादी ढांचे में सुधार, कूड़े को अलग-अलग करने पर विशेष ध्यान देने के साथ तकनीकी संसाधनों को बढ़ाना।



### नवाचार:

स्थानीय तथा नवाचार उद्यमों द्वारा रचनात्मक समाधानों को अग्रगामी परियोजना के माध्यम से आगे बढ़ाना और मदद करना।



### लोगों को शामिल करना और जागरूकता बढ़ाना:

जागरूकता अभियान और सफाई के माध्यम से प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के प्रति नागरिकों और आगंतुकों की आदतों में बदलाव लाना।

सम्पर्क  
सुश्री कामना स्वामी  
अविरल परियोजना समन्वयक  
T. +919899456608  
E. kamna.swami@giz.de

द्वारा कार्यान्वित किया गया

**ALLIANCE  
TO END  
PLASTIC  
WASTE**

कि ओर से किया गया

**giz** Deutsche Gesellschaft  
für Internationale  
Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

सहयोग द्वारा

